



॥ नाम ॥
॥ १ ॥

॥ ओं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दमक ४ पत्र १ ॥ छिन्ना कवि
व १ ॥ १ ॥ विवृद्ध पुष्टु बीका
प्राल्नालयन वज्र वन स्वक
क वंग प्रमुखै वन के वं रुपा

मृथ वरुध व ४ श्रीमान् इदं न
शीवी या गुफा बाटु कलि (गंध)
क ४ प्रात्सूक्त कमलानन ४ ॥
समूह मूह ४ ॥ २ ॥ इदं की
सिंहि ४ ॥ इदं न दम के वीने

॥ संगी ॥
॥ १ ॥

वीव वीरुत्त नूपिहि ४ ॥ ३ ॥ उल्लालयहि ४ स्वकवे ४ प्रसूच वज्र काटिहि ४ ॥ ४ ॥
हापायमहाकवृत्त जगदर्थ कवे पत्र ४ ॥ ४ ॥ रुद्र रुद्रा गये मूदिने ४ काधः
विग्रह नूपिहि ४ ॥ वृद्ध कृत्य कवेनाथे ४ सार्द्ध प्रगन विग्रहे ४ ॥ ५ ॥ प्रगम्य ना
थ संवृद्ध रुग वं नं कथा गन मू ॥ कनां कलि पूठारुत्वा वू दमार्ह स्थि नायन ४ ॥
६ ॥ मद्रि नायममार्थ यमून कं पायम विरु ॥ माया जाला हि संवाध र्यथाः

॥ नाम ॥
॥ २ ॥

लारिरुवाम्पहं ॥ १ ॥ अहानपंकमग्नानां क्लेशाकूलचक्रसां ॥ हिनायसर्व
सत्त्वानामनुरुचरुलाप्रय ॥ ८ ॥ प्रकाशयतु संवृद्धिरुगवान् ॥ स्नातुगुच
॥ ११ ॥ महासमयकत्वहं ॥ १२ ॥ दीयाभयवित्तव ॥ १३ ॥ रुगवन् हानकायस्य महा
ह्रीषस्यगीष्मक ॥ १४ ॥ मंरुगीहानसत्वस्य हानमूर्ति ॥ स्वयंरुव ॥ १५ ॥ गंहीमा
र्थमूदावार्थममहार्थमसमाधिवां ॥ आदिमध्यांनकल्याणीनामसंगीतिम्

॥ संगी ॥
॥ २ ॥

रुमां ॥ ११ ॥ यागीनेराधिकाबुद्धेरुविषयककतागता ॥ प्रसूत्यन्नाथसंवृद्धा
यारुषकपूनःपूनः ॥ १२ ॥ मायाकालमहानंदयाचास्मिंसंप्रगीयक ॥ महा
वज्रधवेहृष्टेनमयेमंडधविहि ॥ १३ ॥ अहंचेनांधवयिष्याम्यातिर्यापीहृष्ट
गय ॥ यथारुवाम्पहं नाथसर्वसंवृद्धगुप्तक ॥ १४ ॥ प्रकाशयिष्यसत्त्वानां
यथाभयवित्तव ॥ १५ ॥ अगवर्त्तगनाभयमृगवाहानहानय ॥ १६ ॥ ॥ ॥

॥ नाम ॥

॥ ३ ॥

वमरध्वगुहं डावकपातिरुथागनं ॥ कनांजलिपूठरुत्वाप्रककाचस्थिराय
क४ ॥ अर्धवनागमथाधाउ४ ॥ ॥ अथगमकमृतिरुगवान्संवृक्षादिपदा
रुम४ ॥ निर्धनय्यायनांस्त्रीनांस्वजिफास्वमूखाकूरां ॥ १ ॥ स्मिन्संदर्भला
कानामपायदयगमधनम् ॥ उलाक्कासासकवर्षचतुर्मावाविगमसने ॥ २ ॥
डिलाकमापूरयंशाजाक्का मधुवयागिना ॥ प्ररुषावकगुहकवकपातिमहा

॥ संगी ॥

॥ ३ ॥

बले ॥ ३ ॥ साधुवकधव४ गीमान्साधुवकपाधय ॥ यस्त्रंजगद्विनार्थयम
हाकवृषान्विक४ ॥ ४ ॥ महार्थनामसंगीकिंपविशामयनागनी ॥ मंरुगी
हानकायस्मंउ४ अउंसमूयन४ ॥ ५ ॥ कत्साधुदगयाभ्यषमृहंनगुहका
धिप ॥ गृहत्वमकाग्रमनाकत्साधुरुगवन्निनि ॥ ७ ॥ प्रविचनगाथावद् ॥
अथगमकमृतिरुगवान्सकलमंउकूलंमरु ॥ मंउविद्याधवकूलंयवलाक्का

॥ नाम ॥

॥ ४ ॥

लज्जय ॥ १ ॥ लोकलोकोरुचकलं लोका लोचकलं मेरु ॥ महामूडं कलं च
ग्रं महामूडं कलं मेरु ॥ २ ॥ ~~यत्कलावलोकनमथादि~~ ॥ ॐ मां घं उना
जानं संपूजा मध्यादया ॥ अनूत्या दधर्मिणी गथां राषं रुस्मिगियाम्य ॥ १ ॥
मूमा ॐ ॐ उतु उतु उतु उतु मूं मूं ॥ स्थिना रुदि ॥ हान मूर्ति वरं वृद्धा वृद्धा नाग्रध
वर्तिनां ॥ २ ॥ ॐ वज्र की कृ ॥ ४ ॥ खं कृ ॥ ५ ॥ हान मूर्ति वरं ॥ हान काय वागीश्वर वज्र

॥ संगी ॥
॥ ४ ॥

वमूवपंचनायकनमः ॥ ३ ॥ ~~मायाजालाहिसंवाधिकमगमथासिग्र~~ ॥ ॥
रुयथारुगवान् वृद्ध ॥ संवृद्धा काच ॥ संरुव ॥ ॥ अकाच ॥ सर्ववर्ण ॥ अमहार्थ ॥
पवमाकच ॥ १ ॥ ॥ महाराष्ट्र कनूत्या दावागु दाहाववर्जिक ॥ ॥ सर्वाहिलापह
त्वग्र ॥ सर्ववाक् सुप्रहास्वव ॥ २ ॥ ॥ महामरु महाराग ॥ सर्वसत्त्ववर्जिकव ॥
महामरु महाराव ॥ सर्वल ॥ महानिपू ॥ ३ ॥ ॥ महामरु महामाहामूठधीन

॥ नाम ॥

॥ ३ ॥

कामरुग्भारणामहावल्लपवाक्रमः ॥ १२ ॥ महारुवाडिसंरुलामहावज्रधवाय
नः ॥ महारुवामहाबोधामहारुयरुयंकवः ॥ १३ ॥ महाविद्यारुमीनारथ
महामंशरुमागुवृः ॥ महायाननयावृः ॥ महायाननयारुमः ॥ १४ ॥ वज्र
धुमधुल्लभधुल्लभधुल्लभः ॥ ॥ महावेद्याचनावृद्धामहामोनीमहामू
नीः ॥ महामंजनयाहूनामहामंजनयात्मकः ॥ १ ॥ दशपावमिनाप्राज्ञादश

॥ संगी ॥

॥ ३ ॥

पावमिनाप्रयः ॥ दशपावमिनागुद्धिर्दशपावमिनानयः ॥ २ ॥ दशरुमी
धवातारथदशरुमिप्रतिष्ठितः ॥ दशरुहानविगुद्धात्मादशरुहानविगुद्धधक
॥ ३ ॥ दशकावादशमर्थकामूनिंदादशवलाविरुः ॥ अश्वविश्वार्थकवा
दशकाववशीमहान् ॥ ४ ॥ अनादिनिष्ठपंचात्मागुद्धात्मानथनात्मकः ॥ ह
नवादीनथवादीनथकावीअनन्यवाक् ॥ ५ ॥ अथवादयवादीचरुनकादी

॥ नाम ॥
॥ १ ॥

यवस्थिरः ॥ नेवात्स्यसिंहनिर्नादः कृदीर्धमृगहीकवः ॥ ७ ॥ सर्वदग्धः ॥
घगनिरुथगनमनोजवः ॥ जिनाजिनविर्विजयीचक्रवर्तीमहावत्सः ॥ ८ ॥
गधमूरव्यागधचार्यागधरः ॥ गधपतिर्वशी ॥ महानूरावाधेययानन्यन
थामहानयः ॥ ९ ॥ वागीरः ॥ वाक्पतिर्वाग्मीवाचस्पतिवनंरगीः ॥ स
वाक्सुवादीचचः ॥ स्यापदः ॥ कः ॥ १० ॥ अर्वेवर्हिर्कोकनागमीस्वः ॥

॥ संगी ॥
॥ १ ॥

शुकनायकः ॥ नानानिर्याननिर्यामामहारूमेककावधः ॥ १० ॥ अर्हन्क्रीता
धुवाहिकूर्वाकनारगभजिनस्यः ॥ क्रमप्राप्तारुयंप्राप्तः ॥ गीहिरूनाकनाविलः
॥ ११ ॥ विद्याचवधसम्पन्नः ॥ सुगमालोकवित्त्वः ॥ निर्ममानिवहंकावः ॥ स
युधयनयस्थिरः ॥ १२ ॥ संसावपावकाटिस्थः ॥ कुरुकुरुस्थः ॥ स्थलस्थिरः ॥
केवल्यहाननिस्त्रः ॥ प्रह्लागभ्याविदावधः ॥ १३ ॥ सुधर्माधर्मनाकूलास्वः ॥

॥ नाम ॥

॥ ८ ॥

कालोककवः पवः ॥ धर्मधवा धर्मवाजाः शशा मार्गपदः ॥ १४ ॥ सिद्ध
र्थः सिद्धसंकल्पः सर्वसंकल्पवर्जितः ॥ निर्विकल्पकः शशधुर्धर्मधुः पवा
यः ॥ १५ ॥ पृथ्वान्पृथ्वी संरावा हानं हाना कवं मरुत् ॥ हानवान्मदसहानी
संरावदयसरुः ॥ १६ ॥ ॥ मधुका विष्पवायागीधनं धयाधियां पकिः ॥ प्र
यात्मवधा कवलः पवमायन्त्रिकायधक् ॥ १७ ॥ पंचाकायात्मको बुद्धः पंच

॥ संगी ॥
॥ ८ ॥

हानात्मको विदुः ॥ पंचवृद्धात्ममूकः पंचचक्रचसंगधक् ॥ १८ ॥ जनकः
सर्ववृद्धानां बुद्धपूजः पवाववः ॥ प्रहारुवाहवायातिर्धर्मयानिर्वांनरुः ॥
१९ ॥ घनेकसावावकात्मा सधाजागगत्यकिः ॥ गगनाहवः स्वयंरुः प्रह
हानानलामहान् ॥ २० ॥ वैवाचनामहादीप्तीहानकातिर्विवाचनः ॥ ऊग
स्वदीपाहानात्मामहानका प्रहस्ववः ॥ २१ ॥ विद्यावाकायमंठः ॥ मंठनाका

॥ नाम ॥

॥ ६ ॥

महार्थकृत् ॥ वक्राक्षीषादुक्ताक्षीषाविश्वदर्शीवियत्यकि ॥ २२ ॥ सर्ववृद्धालसुवा
लम्भजगदानन्दलाचन ॥ विश्वरूपीविधानाचपूजामाभ्यामहाभवि ॥ २३ ॥
कलत्रयधवामंथीमहासमयमंथकृत् ॥ नलत्रयधव ॥ यष्टक्रियानारुमद-
गक ॥ २४ ॥ अमाद्यपाशविजयीवज्रपाशमहाग्रह ॥ वक्राक्षीमहा
पाशवक्रहेनवरीकन ॥ २५ ॥ विश्वधर्मधनुहानगम ॥ पादानपंचविंश

संगी

॥ ६ ॥

हि ॥ ॥ काधमाष्टवभूषाहीम ॥ षड्रशाष्टदुर्गावली ॥ दंडाकबालकंकाला
हलाहलमहानन ॥ १ ॥ यमोरुकाविष्मनाष्टवक्रवर्गमरुयंकन ॥ विष्मस्व
काठकक्रामायावक्रामहाद्व ॥ २ ॥ कलिराशमवक्रयानिर्वक्रम ॥ अनरी
पम ॥ अचलेकरुटापागजचर्मपटाईक ॥ ३ ॥ लाहाकाशमहाशावा
हीरीकाबारुयानक ॥ अट्टराशमहालाशावक्रहाशमहावव ॥ ४ ॥ वक्रस

॥ नाम ॥

॥ १० ॥

श्रीमहासखावज्जनामीमहासूखः॥ वज्रचरः श्रीमहामादावज्जुंकावज्जुंकरिः॥
१ ॥ वज्रवाष्पयुधधवावज्जुखः ज्ञानिकंरुनः॥ विष्णवज्रधवावजीउकवजीव
दीजहः॥ ३ ॥ वज्रकालाकनालाकोवज्रकालागिवावूरुः॥ वज्रावरः श्रीमहा
वरः श्रीमहाकोवज्रलोचनः॥ ५ ॥ वज्रवामांकूलनूर्वज्जवामेकविग्रहः॥ व
ज्रकाटिनखावंशावज्रसावघनः वि॥ ८ ॥ वज्रमालाधरः श्रीमान् वज्रारु

॥ संगी ॥
॥ १० ॥

वज्ररूपिः॥ हाराहारानिर्घावावज्रधावः षड्जवः॥ ६ ॥ मंरुधावामहा
नादः श्रीलाकेकववामहान्॥ ज्ञाकागधुपयंकधावांधाववर्नावः॥ १० ॥
आदर्शनहानगमथाः पादनसोर्द्रः॥ ॥ ॥ नथनारुनमेवात्म्य
रुनकाटिवनः॥ गून्यनावादितषरागंरीवादावगर्जिनः॥ १ ॥ धर्मगं
श्रीमहागंधाधर्मगंडीमहावज्रः॥ जूप्रकिष्ठिननिर्वाः दगादिग्धर्मइंद्रिः

॥ नाम ॥
॥ ११ ॥

२ ॥ ज्वरपावपवानरम्भानानावृषामनामयः ॥ सर्ववृषावरुसृष्टीवरुगवप्रतिविम्ब
धक् ॥ ३ ॥ ज्वप्रध्वामरुग्भरुवमेधकुक्रमरुग्भवः ॥ समृद्धिनायमार्गस्थध
र्मधकुर्मरुदयः ॥ ४ ॥ उल्लोकेकक्रमावांगस्थविवावद्रुप्रजापतिः ॥ द्वाः
त्रिंशलक्रुधधवः कांनमेलाक्कसून्दवः ॥ ५ ॥ लोकल्लानगुधवाप्यालोका
वाप्याविस्ववदः ॥ नाथम्भानाम्भिलोकापृष्ठवर्धननिबूरुवः ॥ ६ ॥ गगनारु

॥ संगी ॥
॥ ११ ॥

[illegible]

॥ नाम ॥

॥ १२ ॥

विनिर्मुक्तायामवत्सुनिसुस्थिरः॥ महाचिंतामणिभवः सर्वजलारुमाविष्टः॥
११ ॥ महाकल्पवृक्षीनामहारुद्रघटारुमः॥ सर्वसत्त्वार्थकृत्कृत्हिमेवी
सत्त्ववत्सवः॥ १२ ॥ गुरागुरुः कालः समयः समयीविरुः॥ सत्त्वं
दियहावलहाविमूर्तिः उयकाविदः॥ १३ ॥ गुणीगुणः धर्मः प्रसक्तः
मंगलादयः॥ सर्वमंगलमांगल्यः कीर्तिलक्ष्मीर्यः गुरुः॥ १४ ॥ महासु

॥ संगी ॥

॥ १२ ॥

वामहाध्यासामहानंदामहावर्णिः॥ सत्कावः सत्कृत्किर्तुनिः प्रमादः प्रीयः
स्यनिः॥ १५ ॥ सर्वरक्षभवदः रक्षकः रक्षकः रक्षकः रक्षकः रक्षकः रक्षकः रक्षकः
विप्रवधानिरुषरुयनाशनः॥ १६ ॥ शिखीशिखधुजटिलाजटिमोक्षीकिवी
टिमान्॥ पंचाननः पंचशिखः पंचवीरकमखवः॥ १७ ॥ महावक्रधवाभो
जीवकचावीवकीरुमः॥ महानयानपानिरेः स्नातकः लोभमागृहीतः॥ १८

॥ नाम ॥
॥ १३ ॥

वृक्षविह्वलः शवक्रावृक्षनिर्माद्यमाप्रवान् ॥ मृत्तिमाक्राविमाक्रां गभविमृत्ति
॥ १४ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ १५ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ १६ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ १७ ॥
॥ १८ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ १९ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ २० ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ २१ ॥
॥ २२ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ २३ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ २४ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ २५ ॥
॥ २६ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ २७ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ २८ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ २९ ॥
॥ ३० ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ ३१ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ ३२ ॥ निर्वर्धनीनिर्वर्धनी ॥ ३३ ॥

॥ संगी ॥
॥ १३ ॥

सर्वविस्वव ॥ २२ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ २३ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ २४ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ २५ ॥
॥ २६ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ २७ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ २८ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ २९ ॥
॥ ३० ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ३१ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ३२ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ३३ ॥
॥ ३४ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ३५ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ३६ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ३७ ॥
॥ ३८ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ३९ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ४० ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ४१ ॥
॥ ४२ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ४३ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ४४ ॥ विह्वलधर्मनामी ॥ ४५ ॥

॥ नाम ॥

॥ १४ ॥

महारिषयवः ॥ १४ ॥ अल्पहर्षनिवृत्तः ॥ अग्रेष्वक्षरः ॥ अग्रेष्वक्षरः ॥ अग्रेष्वक्षरः ॥
विपुः ॥ २१ ॥ अलाकिलकः ॥ कांक्षीमान्नक्रुद्धमधुलः ॥ दग्धिदग्धामपर्यन्ता
धर्मधर्ममहाकुरुः ॥ २८ ॥ अगच्छेकविपुलामेडीकवृद्धमधुलः ॥ यन्ननरुद्धव
॥ श्रीमान्बलकृष्णमहाविपुः ॥ २९ ॥ सर्ववृद्धमहाबाजासर्ववृद्धात्मरावधक् ॥
सर्ववृद्धमहायागः ॥ सर्ववृद्धेकगमसनः ॥ ३० ॥ वज्रवत्तारिषकः ॥ सर्ववत्ताधि

॥ संगी ॥

॥ १४ ॥

पञ्चवः ॥ सर्वलाकेष्ववयविः ॥ सर्ववज्रधवाधिपः ॥ ३१ ॥ सर्ववृद्धमहाचिरः ॥ स
र्ववृद्धमनागनिः ॥ सर्ववृद्धमहाकायः ॥ सर्ववृद्धसबस्वनीः ॥ ३२ ॥ वज्रसूर्यम
हालाकीवज्रन्दुविमलपुरुः ॥ विवागदिमहाबाणविश्ववर्धकालपुरुः ॥
३३ ॥ सम्बुद्धवज्रपर्यन्तावृद्धसंगीनिधर्मधक् ॥ वृद्धपद्मावृद्धश्रीमान्सर्वहृहा
नकोशधक् ॥ ३४ ॥ विश्वमायाधवाबाजावृद्धविश्वधवामहान् ॥ वज्रमीकाम

॥ नाम ॥

॥ १५ ॥

हावविशुद्धपत्रमाकृष्ट ॥ ३५ ॥ इष्टवर्द्धमहापानवर्द्धधर्ममहायुद्ध ॥ जि
नक्तिवर्द्धगंभीर्यवर्द्धवर्द्धिर्थाथविर्द्ध ॥ ३६ ॥ सर्वपात्रमिनापूविस्वर्द्धमीर्वि
रूपध ॥ विशुद्धधर्मनेत्रात्मसम्पक्कानन्दवर्द्ध ॥ ३७ ॥ मायांजालमहा
योग ॥ सर्वगंजाधिप ॥ पत्र ॥ अष्टावर्द्धपत्र्यकानि ॥ गवहानकायधक ॥ ३८ ॥
समकरुडसमकि ॥ किमिगर्हाजगद्धकि ॥ सर्ववर्द्धमहागर्हाविग्धनिर्मासचक्रध

॥ संगी ॥

॥ १५ ॥

क ॥ ३९ ॥ सर्वरावस्वरावाग्ध ॥ सर्वरावस्वरावधक ॥ अनूत्पादधर्मविग्धार्थ ॥ स
र्वधर्मस्वरावधक ॥ ४० ॥ एककथमहापाद ॥ सर्वधर्माववाधधक ॥ सर्वधर्माहिस
मयारुतांमूनिवेगधी ॥ ४१ ॥ किमिग ॥ सुप्रसन्नात्मासम्पक्कं वृद्धवाधिधक ॥
प्रत्यक् ॥ सर्ववर्द्धानां हानार्चि ॥ सुप्ररास्वव ॥ ४२ ॥ प्रत्यक्कथानगाथा ॥ घोच
लाविग्ध ॥ ॥ ॥ सार्थसाधकपत्र ॥ सर्वापायविग्धधक ॥ सर्वसत्कारः

॥ नाम ॥

॥ १४ ॥

माना ॥ सर्वसत्त्वप्रमाचक ॥ १ ॥ कृष्णसंग्रामग्रैकअहानविप्रदर्पहा ॥ धी ॥ २ ॥
गभवधव ॥ श्रीमान् वीरवीरुत्सवपधक ॥ २ ॥ बाहुर्युगताकृप ॥ पदनिष्कपनरून ॥
॥ श्रीमच्छक्रकुङ्कुमागगनागनरून ॥ ३ ॥ उकपादकलाकाकमहीमधुनः
लस्थिक ॥ उक्ताधुगिखवाजाकपादांगुष्ठनखस्थिक ॥ ४ ॥ उकार्थाः ॥ दयधर्मा
थ ॥ पनमार्थविनधव ॥ नानाविरुष्टिपार्थगिरुविहानसरुकि ॥ ५ ॥ मरु

॥ संगी ॥

॥ १४ ॥

सरावार्थवकि ॥ ग्रन्थकावकिवयधी ॥ रुववागभयतीकृष्णरुवजयमहावकी ॥
॥ ६ ॥ गुह्यगुहाउधवल ॥ सबचडागुसुप्ररु ॥ वालार्कमधुलकायामहानागन
खप्ररु ॥ ७ ॥ उनीलागुसचीवामहानीलकचायधक ॥ महामणिमयूवधी
वृद्धनिर्माधरुघध ॥ ८ ॥ लाकधुगताकम्पीनद्रिपादमहाक्रम ॥ महास्र
किधवस्रत्वधुस्रहिसमाधिवाह ॥ ९ ॥ बाध्वागकृसुमामादस्रथागरुगुलाद

॥ नाम ॥

॥ ११ ॥

धि॥ अथाङ्गमार्गनयवित्संम्यक्कं बुद्धमार्गविरु॥ १० ॥ सर्वसत्त्वमहासंलग्ननिःसं-
लग्नगगनायम॥ सर्वसत्त्वमनाज्ञानासर्वसत्त्वमनाज्ञव॥ ११ ॥ सर्वसत्त्वेंडियार्थह
॥ सर्वसत्त्वमनाज्ञव॥ पञ्चस्कंधार्थरुत्तरु॥ पञ्चस्कंधविशुद्धधक॥ १२ ॥ सर्वनि-
र्यायिकाटिह॥ सर्वनिर्यायिकाविद॥ सर्वनिर्यायिमार्गस्थ॥ सर्वनिर्यायिदशक॥
॥ १३ ॥ षादग्मङ्गरुवात्वागो षादग्मकानवशुद्धधक्॥ चतु॥ सस्यनयाकानवस्रुहा

॥ संगी ॥
॥ ११ ॥

नावधीधधक॥ १४ ॥ षादग्मकानवसस्यार्थ॥ षादग्मकानवकत्वविरु॥ विंशत्याका
वसंवाधिविवेकसर्ववित्पव॥ १५ ॥ अमयबुद्धनिर्मासकायकोटिविरावक॥
सर्वलक्ष्मरिसमय॥ सर्वचिरुद्धमर्थविरु॥ १६ ॥ नानायाननयापायङ्गद
र्थविरावक॥ यानत्रिकयनिर्याहकयानेरुत्तस्थिरु॥ १७ ॥ क्लृप्तधुवि
शुद्धात्माकर्मधुक्रयंकव॥ अथादधिसमूहोत्तथागकानावनिधिरु॥ १८

॥ नाम ॥

॥ १८ ॥

कृष्णपक्षसंक्रान्तिप्रहीनसवासनः ॥ प्रहाणयमहाकव्यमृमाद्यजगद
र्थकः ॥ १९ ॥ सर्वसंज्ञाप्रहीनार्थविज्ञानार्थनिबोधकः ॥ सर्वसत्त्वमनाविष
यः सर्वसत्त्वमनागतिः ॥ २० ॥ सर्वसत्त्वमनारुस्थसुचिरुसमनांगकः ॥ सर्व
सत्त्वमनाक्लीदीसर्वसत्त्वमनावृतिः ॥ २१ ॥ सिद्धाकाविजृम्भापगकः सर्वज्ञानि
विवर्जितः ॥ निःसंदिग्धमकिम्पुर्थः सर्वार्थस्त्रिगुणसकः ॥ २२ ॥ पंचसंक्ष

॥ संगी ॥

॥ १८ ॥

र्थजिकालः सर्वकथविरावकः ॥ एककथारिसंबुद्धसर्वबुद्धस्वरुवधकः ॥ २३ ॥
अनंगकायकायागुः कायकाटिविरावकः ॥ अगवचूपसंदर्शितलेकेकुर्म
रामसिः ॥ २४ ॥ समकाहानगमथाप्रवृत्तिमिति ॥ सर्वसंबुद्धवाधवा
बुद्धवाधिवनूरुवः ॥ अनकवामंजयातिर्महामंजुकुलजयः ॥ १ ॥ सर्वमंज
र्थजनकामराविंदवनकवः ॥ पंचाकवामराग्न्याविन्दुग्न्यवठकवः ॥

॥ नाम ॥

॥ १८ ॥

१ ॥ सर्वाकारनिवाकावषाडभर्द्वाङ्गविन्दुधक ॥ अकलः कलनामीनश्चतुर्थध्व
नकोटिधक ॥ ३ ॥ सर्वध्वानकलारिहः समाधिकेलगजविह ॥ समाधिकायका
याग्यः सर्वसंहागकायवाह ॥ ४ ॥ निर्माधकायकायाग्यवृद्धनिर्माधवंशधक
॥ दशदिग्विधनिर्माधयथावज्जगदर्थक ॥ ५ ॥ दवानिदवादवन्दुः स्रवः
शदानवाधिपः ॥ अमत्रन्दुः स्रवगुवः प्रमथः प्रमथः धवः ॥ ६ ॥ उरीरु

॥ संगी ॥

॥ १८ ॥

रुवकाकावः प्रकः भस्माजगजुवः ॥ प्रख्यातदशदिग्भक्तधर्मदानपनिर्महान्
॥ १ ॥ मेशीसन्नाहसन्नेद्रः कवृधभवर्मवर्मिहः ॥ प्रहारेवज्जधनूर्वाधः क्लेशहान
वहंजहः ॥ ८ ॥ मावाविर्माविजिघीवश्चतुर्माविरुयान्कक ॥ सर्वमावचमृज्ज
सम्बुद्धालोकनायकः ॥ ९ ॥ वंघप्रकाहिवायश्चमाननीयश्चनिह्यसः ॥ अर्च
नीयकमामान्योनमस्यः पवमागुवः ॥ १० ॥ उलाक्केकक्रमगनिधिमिपर्यन्त

॥ नाम ॥
॥ २० ॥

विक्रमः ॥ देविद्यः ॥ अक्षयः ॥ पूरः ॥ घटः ॥ रुद्रः ॥ षडनुस्मृतिः ॥ ११ ॥ वाधिसत्त्वाम-
हसत्त्वामाकाशमामहर्द्रिकः ॥ प्रहृष्टापावमिहानिष्ठः ॥ प्रहृष्टाकत्वत्वमागः ॥
१२ ॥ आत्मवित्पत्रवित्पत्रः ॥ सर्वायाश्चयपुंगवः ॥ सर्वापमामनिकाकाह्याः
हानाधियः ॥ पत्रः ॥ १३ ॥ धर्मदानपत्रिः ॥ प्रहृष्टाकत्वत्वमागः ॥ पर्यपास्य
कमाङ्गनात्रिर्याधययायिनां ॥ १४ ॥ पत्रमार्थविशुद्धिः ॥ प्रहृष्टाकत्वत्वमागः ॥

॥ संगी ॥
॥ २० ॥

महान् ॥ सर्वसम्पत्कवः ॥ श्रीमान् ॥ श्रीमान् ॥ श्रीमान् ॥ १५ ॥ ~~हृष्टाकत्वत्वमागः~~
~~नगमथः ॥ पंचदशः ॥~~ ॥ नमस्तु ववदवजाग्रुकाटिनमाप्नुः ॥ न
मस्तु गून्यनागर्हवृद्धवाधिनमाप्नुः ॥ १ ॥ वृद्धनाशनमस्तु वृद्धकायनमा
नमः ॥ वृद्धप्रीतिनमस्तु वृद्धमादनमानमः ॥ २ ॥ वृद्धस्मिन्नमस्तु
वृद्धहसनमानमः ॥ वृद्धवाचनमस्तु वृद्धरावनमानमः ॥ ३ ॥ अरावा

॥ नाम ॥

॥ २९ ॥

हवनमस्तु संपन्नमस्तु ब्रह्मसंरुव ॥ गगनाहवनमस्तु संपन्नमस्तु हानसंरुव ॥ ४

॥ मायाजालनमस्तु संपन्नमस्तु ब्रह्मनाटक ॥ नमस्तु सर्वसत्त्वस्थानकायन

मस्तु ॥ १ ॥ पंचकथागहनस्तु किमथा ॥ पंच ॥ ॥ ओं सर्वधर्माहा

वस्त्रावविशुद्धवज्रमृमांमृ ॥ प्रकृतिपविशुद्धा ॥ सर्वधर्मा ॥ यद्गुणसर्वकथा

गहनस्तु कायमस्तु श्रीपविशुद्धिनामपादाय किं आ ॥ सर्वकथागहनस्तु ह

॥ संगी ॥

॥ २९ ॥

३२ ओं हं ह्रीं ॥ रुगवन्स्तु हानमूर्तिवागीश्वरमहावाचसर्वधर्मागगधामलसूपवि
शुद्धधर्मधातुस्तु नगरुमा ॥ ॥ मृथवज्रध्व ॥ श्रीमान्स्तु हृदु हृदु हृदु हृदु

॥ प्रथमनाथसंबुद्धं रुगवंतं कथागहनं ॥ १ ॥ मंत्र्ये प्रवृत्तिविधेर्नाथेर्गुह्ये

वज्रपाशिरि ॥ ससाधुकाधवाज्ञाने ॥ प्रावाचाचे विदं वच ॥ २ ॥ मन्महा

महनाथसाधुसाधुस्तु साधिरं ॥ कलास्माकं महानर्थ ॥ संम्यक् वाधिप्रापक ॥

॥ नाम ॥

॥ २२ ॥

॥ ३ ॥ जगन्मन्त्रस्य नाथस्य विमूर्तिरुल्लंकां क्रियः ॥ अथामात्मविशुद्ध्या
यं मायाजालनयादिकः ॥ ४ ॥ गंहीनादाववपुस्तमहारथं जगदर्थकम् ॥
॥ वृद्धानाविषयाक्षयसर्वसम्बुद्धदशिकः ॥ ५ ॥ ॥ आर्यमायाजालो
खाड्यसाहचिकात्महायागकृत् ॥ पातिसमाधिजालपटलाद्गवकीमं
रुग्हीहानकायस्परुगवान्मन्त्रमूर्तिरुत्थागकराषिकारुगवकीमं रुग्ही

॥ संगी ॥

॥ २२ ॥

हानसत्त्वस्यादयपवमार्थानामसंगीतिपविस्मात्ताः ॥ ॥ २२ ॥

॥ नाम ॥

॥ २३ ॥

ASHA ARCHIVES

1.240

ASHA ARCHIVES

॥ संगी ॥
॥ २३ ॥